स्टार्टअप के जरिए अपने भविष्य को नई उड़ान दें

आप फ्रेशर हैं, आपको चुनौतियां पसंद हैं और आपके पास कुछ नया करने का विचार है तो देश में तेजी से फल-फूल रहे स्टार्टअप क्षेत्र में आपका स्वागत है। वहीं नौकरी चाहने वाले युवाओं के लिए भी यहां भरपूर अवसर मौजूद हैं।

स्टार्टअप की शुरुआत तब हुई थी, जब बड़े स्तर पर नई वेबसाइट शुरू हो रही थीं। इसलिए ज्यादातर लोग इन्हें तकनीक से जुड़े उद्यम समझते हैं, जबकि वास्तव में अगर कोई किसी नए आइडिया को लेकर कंपनी बनाता है तो वह कंपनी स्टार्टअप कहलाती है।

ऐसे करें शुरुआत

स्टार्टअप की शुरुआत करने के लिए सबसे पहली जरूरत है आइडिया। ये आइडिया किसी ऐसे प्रोडक्ट या सर्विस का होना चाहिए। आइडिया साफ हो जाए तो दिमाग में बात आती है प्लान की। शुरुआत कहां से होगी? कैसे आगे बढ़ेंगे? इसका एक ब्लूप्रिंट तैयार करना होगा। अब बारी आती है एक्शन की। इसके लिए एक टीम बनानी होगी। शुरुआत में एक या दो लोगों से काम चल जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे आप असल में बिजनेस करना शुरू करेंगे, आपको जरूरत पड़ेगी एक अच्छी टीम की। अच्छी टीम से सफल स्टार्ट-अप बनता है।

इनक्यूबेटर-एक्सेलेरेटर से मदद

इनक्यूबेटर आइडिया को उत्पाद बनाने में मदद करते हैं, वहीं एक्सेलेरेटर स्टार्टअप को बड़ा बिजनेस बनाते हैं। यह ऑफिस की जगह से लेकर विशेषज्ञों की राय तक उपलब्ध कराते हैं। इसके बदले ये कंपनी में हिस्सेदारी या फीस लेते हैं। इन्हें आप स्टार्टअप का शैक्षणिक संस्थान समझ सकते हैं।

नई राह

बातचीत की कला में माहिर होना जरूरी

अगर आप किसी स्टार्टअप में नौकरी पाना चाहते हैं तो आप में कुछ योग्यताएं होनी चाहिए, जैसे स्टार्टअप में रोज अजनबी लोगों से बात करनी पड़ती है। इसलिए बातचीत की कला में माहिर होना चाहिए। साथ में तेजी से काम करने और परिणाम देने वाले लोगों की यहां हमेशा जरूरत होती है। आत्मविश्वास, शिष्टाचार, उत्सुकता और दूसरों की बातें ध्यान से सुनने का गुण भी जरूरी है। अगर आप में यह सारी खूबियां हैं तो आप स्टार्टअप में आसानी से नौकरी पा सकते हैं।

तीन बातों पर पहले गौर करें

स्टार्टअप को शुरू करने से पहले इनक्यूबेटर को तीन चीजों का ध्यान रखना चाहिए। पहली, नया आइडिया बाजार की जरूरतों के मुताबिक है या नहीं, दूसरी स्टार्टअप शुरू करने वाली टीम कितनी सक्षम है और तीसरी यह कि उसे फंडिंग कैसे मिल सकती है। अगर इन बातों पर पहले से गौर कर लिया गया तो समझ लीजिए आपने आधा किला फतह कर लिया।

– **प्रणय गुप्ता**, इनक्यूबेटर और को-वर्किंग हब 91 स्प्रिंगबोर्ड के सह संस्थापक

वेतन

स्थापित हो चुकी स्टार्टअप कंपनियां नए कर्मचारियों को अच्छा पैकेज दे रही हैं। वेतन इस पर निर्भर करता है कि कंपनी कैसी है। मध्यम या बड़ी स्टार्टअप कंपनियां नए कर्मचारियों को 30 से 40 हजार मासिक तक वेतन दे रही हैं।

कुछ बड़े इनक्यूबेटर

- **इंडियन एंजेल नेटवर्क इनक्यूबेटर:** भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से इसे चलाया जाता है। इसमें वेंचर को डेढ़ से दो साल तक इनक्यूबेट किया जाता है।
- **टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर:** आईआईटी दिल्ली का यह इनक्यूबेटर तकनीक से जुड़े स्टार्टअप की मदद करता है।
- **सिडनी इनोवेशन एंड इनक्यूबेटर सेंटर:** आईआईटी कानपुर का यह इनक्यूबेटर छोटे उद्योगों को आगे बढ़ाने में काफी अहम भूमिका अदा कर रहा है।

प्रस्तुति: नई दिशा डेस्क

हिन्दुस्तान जॉब सर्च

जॉब्स संबंधित जानकारी के लिए हमें ई-मेल भेजें।
jobsearch@livehindustan.com

डीडीयू में 136 पदों पर भर्तियां होंगी

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी (डीडीयू) असिस्टेंट प्रोफेसर के कुल 136 पदों पर भर्तियां करेगा। ये भर्तियां संस्थान में 25 विषयों के लिए होंगी।
योग्यता : अच्छे एकेडमिक रिकॉर्ड और न्यूनतम 55 फीसदी अंकों के साथ संबंधित विषय में मास्टर डिग्री प्राप्त हो। साथ ही नेट या स्लेट/ सेट में पास हो। यूजीसी द्वारा वर्ष 2009 में जारी नियमों के अनुसार पीएचडी डिग्री प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नेट/ स्लेट/ सेट में पास न होने पर भी आवेदन कर सकते हैं। यूजीसी जिन विषयों में नेट/ स्लेट/ सेट परीक्षा का आयोजन नहीं करता उन विषयों में नेट/ स्लेट/ सेट की परीक्षा में पास होना अनिवार्य नहीं है।
वेतनमान : 15,600 से 39,100 रुपये। ग्रेड पे 6,000 रुपये।
आवेदन शुल्क : 1,500 रुपये। यूपी के एससी/ एसटी वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 1,000 रुपये है। शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा।
सूचना : जिन अभ्यर्थियों ने 15 सितंबर 2014 को प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया है। उन्हें आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

डाक से आवेदन फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे : 20 मई 2016 तक
वेबसाइट : **www.ddugorakhpuruniversity.in**

रिसर्च

प्रोजेक्ट के 15 पदों के लिए आवेदन करें

देहरादून का वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट एसोसिएट, प्रोजेक्ट फेलो और प्रोजेक्ट इंटर्न के 15 पदों पर भर्तियां करेगा। ये भर्तियां एक प्रोजेक्ट के लिए की जाएंगी।
योग्यता : संस्थान द्वारा तय विषयों में पीजी डिग्री। प्रोजेक्ट एसोसिएट पद के लिए पीएचडी डिग्री जरूरी।
अधिकतम आयु : 40 वर्ष। प्रोजेक्ट फेलो पद के लिए उम्र 28 वर्ष और प्रोजेक्ट इंटर्न पद के लिए 24 वर्ष।
आवेदन शुल्क : 500 रुपये। शुल्क का भुगतान डीडी से करना होगा।
अंतिम आवेदन : 9 मई 2016 तक
वेबसाइट : **www.wii.gov.in**

सीनियर रिसर्च फेलो के छह पद भरे जाएंगे

आईसीएआर के नेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (कटक) ने सीनियर रिसर्च फेलो के छह अस्थायी पदों पर नियुक्तियों के लिए आवेदन मांगे हैं। इन पदों को वॉक-इन-इंटरव्यू के जरिए भरा जाएगा।
योग्यता : बायोटेक्नोलॉजी/ लाइफ साइंस/ प्लांट ब्रीडिंग/ जेनेटिक्स में पीएचडी डिग्री प्राप्त हो।
अधिकतम आयु : 1 जनवरी 2016 को 35 वर्ष। महिला आवेदकों को अधिकतम आयु में पांच वर्ष की छूट प्राप्त है।
इंटरव्यू : 9 से 10 मई तक
वेबसाइट : **www.crri.nic.in**

टेक्निकल

इसरो को टेक्निकल असिस्टेंट चाहिए

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने टेक्निकल असिस्टेंट के 42 पदों पर नियुक्तियों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये नियुक्तियां बेंगलुरु में स्थित लिक्विड प्रोपल्सन सिस्टम्स सेंटर के लिए हैं। इच्छुक उम्मीदवार इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

- टेक्निकल असिस्टेंट, **कुल पद : 18**

योग्यता : न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स/ मेकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त हो या समकक्ष योग्यता हो।
वेतनमान : 9,300 से 34,800 रुपये। ग्रेड पे 4,600 रुपये मिलेगा।

- टेक्निशियन-'बी', **कुल पद : 23**
- ड्रॉफ्ट्समैन-'बी', **कुल पद : 01**

योग्यता (उपर्युक्त दोनों पद): दसवीं की परीक्षा पास हो। इसके साथ ही संस्थान द्वारा तय विषयों (ट्रेड) में आईटीआई सर्टिफिकेट या नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट (एनटीसी) या नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट (एनएसी) प्राप्त हो।
वेतनमान : 5,200 से 20,200 रुपये। ग्रेड पे 2,000 रुपये मिलेगा।
आयु सीमा (सभी पद): 6 मई 2016 को न्यूनतम 18 और अधिकतम 35 वर्ष।

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख : 6 मई 2016 (दोपहर 2 बजे तक)
वेबसाइट : **www.lpsc.gov.in** **फोन** : 0471-2567508

इंजीनियर सहित सुपरवाइजर के 30 पद

टेलिकम्यूनिकेशन कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड अनुबंध पर इंजीनियर और सिविल सुपरवाइजर के 30 पदों को भरेगा। ये भर्तियां कुवैत के लिए हैं।
योग्यता : तय विषयों में बीई/ बीटेक डिग्री। सिविल सुपरवाइजर पद के लिए सिविल इंजी. में डिप्लोमा हो। सभी पदों के लिए दो वर्ष का अनुभव।
अंतिम आवेदन : 12 मई तक वेबसाइट : **www.tcil-india.com**

कोंकण रेलवे में नौ पदों के लिए इंटरव्यू

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट के नौ पदों पर नियुक्तियों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन करेगा।
योग्यता : न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक डिग्री प्राप्त हो। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्र में दो साल का अनुभव हो।
वेतन : 35,000 रुपये प्रति माह।
इंटरव्यू : 3 मई को वेबसाइट : **www.konkanrailway.com**

प्रमुख परीक्षाएं/ इंटरव्यू

29 अप्रैल

आंध्र प्रदेश के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑयल पाम रिसर्च में 29 अप्रैल को लिखित परीक्षा कम वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। इसके जरिए रिसर्च एसोसिएट और सीनियर रिसर्च फेलो के तीन अस्थायी पदों को भरा जाएगा। ये नियुक्तियां तीन प्रोजेक्ट के लिए हैं। इंटरव्यू की पूरी जानकारी के लिए वेबसाइट (**http://dopr.gov.in**) देखें।

29 अप्रैल

देहरादून के फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में 29 अप्रैल को प्रोजेक्ट असिस्टेंट और फील्ड असिस्टेंट के तीन अस्थायी पदों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू होगा। प्रोजेक्ट असिस्टेंट पद के लिए बीएससी/ एमएससी डिग्री। और फील्ड असिस्टेंट पद के लिए बारहवीं पास होना जरूरी है। योग्यता, स्टाइपेंड और इंटरव्यू की जानकारी वेबसाइट (**http://fri.icfre.gov.in**) से प्राप्त करें।

29 अप्रैल

हैदराबाद का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज 29 अप्रैल को वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन करेगा। इंटरव्यू से प्रोजेक्ट असिस्टेंट के पद को भरा जाएगा। इंटरव्यू में भाग लेने के लिए सोशल साइंस में मास्टर डिग्री, कंप्यूटर एप्लिकेशन में पीजी और अनुभव का होना अनिवार्य है। अधिक सूचनाएं वेबसाइट (**www.nird.org.in**) पर उपलब्ध है।

30 अप्रैल

श्री चित्र तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में 30 अप्रैल को सीनियर रिसर्च ऑफिसर पद के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू होगा। पीएचडी और शोध में पांच वर्ष का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। शेष जानकारी वेबसाइट (**www.sctimst.ac.in**) से लें।

चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय के अपलोड रिजल्ट से बिगड़ा खेल, छात्रों के आवेदन पत्र में भरे रिजल्ट से मिलान नहीं हुआ

रिजल्ट ने आखिर फंसा दिए छात्रों के करोड़ों रुपये

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

आवेदनों में दर्ज सूचना एवं रिजल्ट में बदले नंबरों से चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय के करीब तीन लाख छात्रों के करोड़ों रुपये फंस गए हैं। छात्रों के दावे और अपलोड रिजल्ट का मिलान नहीं होने पर समाज कल्याण विभाग ने विश्वविद्यालय के छात्रों की प्रतिपूर्ति रोक दी है। विभाग ने विश्वविद्यालय को छात्रों के दावे और अपलोड रिजल्ट के रिकॉर्ड का मिलान करने के निर्देश देते हुए पूरे मामले में रिपोर्ट मांगी है। विभाग में रिजल्ट अपलोडिंग में हुई गलती पर संबंधित व्यक्ति की जिम्मेदारी भी तय करने की अपील की है।

प्रतिपूर्ति के इस फेर में कैंपस से एमए, एमएससी और एमफिल जबकि कॉलेजों से यूजी-पीजी में रेगुलर एवं प्रोफेशनल कोर्स के छात्र फंसे हैं। पूरी गड़बड़ी रिजल्ट से हुई है। समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक एसएन पांडेय के अनुसार छात्र-छात्राओं ने प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए सत्र 15-16 में रिजल्ट का जो ब्योरा दिया उसका मिलान विश्वविद्यालय द्वारा अपलोड रिजल्ट से नहीं हुआ। रिजल्ट मैच नहीं करने से लाखों छात्रों की प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति रोकते हुए समस्त आवेदनों को स्क्रूटनी श्रेणी में डाल दिया। विभाग ने विश्वविद्यालय से छात्रों द्वारा फॉर्म में भरे रिजल्ट के रिकॉर्ड और अपलोड रिजल्ट के वास्तविक रिकॉर्ड से मिलान करने को कहा है। विभाग के अनुसार यदि रिजल्ट अपलोडिंग में कोई त्रुटि हुई है तो संबंधित व्यक्ति की भी जिम्मेदारी तय की जाए।

कैंपस ही नहीं कॉलेजों के छात्र भी फंसे

रिजल्ट के चक्कर में प्रतिपूर्ति नहीं मिलने में मेरठ-सहारनपुर मंडल में नौ जिलों के लाखों स्टूडेंट भी फंसे हैं। दरअसल कॉलेजों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में करीब तीन लाख छात्रों ने प्रतिपूर्ति एवं प्रतिपूर्ति के लिए विभाग में आवेदन दिए थे। संबंधित जिलों से छात्रों के प्रतिपूर्ति के ये आवेदन समाज कल्याण निदेशालय पहुंचे। यहां पर छात्रों के बताए गए रिजल्ट की चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड रिजल्ट से जांच की गई, लेकिन यह गलत निकले। निदेशालय ने संबंधित जिलों के डीएम को मामले की जांच के आदेश दिए। अब पूरे मामले में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से समस्त छात्रों की रिपोर्ट मांगी जा रही है।

आखिर कैसे होगा छात्रों के रिजल्ट का मिलान

पूर्व कुलपति के कार्यकाल में जारी हुए सत्र 15-16 के रिजल्ट के बाद अब विश्वविद्यालय के सामने बड़ा संकट छा गया है। विश्वविद्यालय किसी भी स्थिति में तीन लाख छात्रों में से एक-एक छात्र का रिकॉर्ड चेक करने की स्थिति में नहीं है। समाज कल्याण विभाग ने विवि से प्रत्येक छात्र के रिजल्ट का सही रिकॉर्ड मांगा है। विश्वविद्यालय की जांच रिपोर्ट से ही संबंधित जिलों के डीएम छात्रों की रिपोर्ट निदेशालय भेजेंगे। इसी पर छात्रों की प्रतिपूर्ति जारी होगी। यदि रिपोर्ट नहीं गई तो प्रतिपूर्ति भी नहीं मिल पाएगी।

ऐसे हुई यह गड़बड़ी

दरअसल पूर्व कुलपति के कार्यकाल में विवादित कंपनी ने छात्रों के रिजल्ट आनन-फानन में जारी कर दिए। कंपनी ने छात्रों के पूर्व वर्षों के रिकॉर्ड को मर्ज नहीं किए और संबंधित कक्षा के आधार पर ही छात्र को पास या फेल कर दिया।

चूंकि छात्रों के प्रतिपूर्ति के फॉर्म भरने ये ऐसे में उन्होंने इंटरनेट पर अपलोड मार्कशीट से ही फॉर्म भर दिए। बाद में यूनिवर्सिटी ने कंपनी से काम हटाकर दूसरी कंपनी से काम कराया तो गलती पकड़ी गई। इसके बाद चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने सारे रिजल्ट अपडेट की प्रक्रिया शुरू की। लेकिन इसमें छात्रों के रिजल्ट बदल गए।

किसी छात्र के नंबर घट गए तो कुछ के बढ़ गए। कुछ फेल हो गए तो कुछ पास। इसी चक्कर में समाज कल्याण निदेशालय में छात्रों के नंबरों का रिकॉर्ड फेल हो गया।

17 के पेपर हटे, बीकॉम फाइनल 23 को

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय ने संबद्ध कॉलेजों में जारी मुख्य परीक्षाओं में 17 मई को प्रस्तावित पेपर स्थगित करते हुए उनकी नई तिथियां तय कर दी हैं। विश्वविद्यालय में बीकॉम फाइनल का पेपर 23 मई को होगा।

शासन के आदेश पर विश्वविद्यालय ने 17 मई के पेपर स्थगित करते हुए नई तिथियां जारी की हैं। सीसीएसयू के अनुसार 17 मई को बीकॉम फाइनल में कोड सी-003, द्वितीय वर्ष का सी-002 एवं प्रथम वर्ष का सी-001 का पेपर होना था। इसके साथ ही बीए उर्दू, बीएससी केमेस्ट्री और एलएलबी के पेपर भी होने थे, लेकिन यूनिवर्सिटी ने इन सभी पेपरों को स्थगित कर दिया है। यूनिवर्सिटी के अनुसार बीकॉम फाइनल सी-003 का पेपर 17 मई के बजाय अब 23 मई को तीसरी पाली में होगा। बीकॉम प्रथम वर्ष सी-001 एवं द्वितीय वर्ष सी-002 का पेपर भी 17 मई के स्थान पर 27 मई को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय पाली में होगा। बीए उर्दू कोड ए-136, ए-236, ए-336, बीएससी केमेस्ट्री में कोड बी-106, बी-206, बी-306 जबकि एलएलबी में कोड के-710 और के-315 का पेपर अब छह जून को पूर्व निर्धारित पालियों में ही होगा। छात्र पेपर में हुए बदलाव की जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

बीएससी नर्सिंग का रिजल्ट जारी

चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2015 में हुई बीएससी नर्सिंग प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष, बीजेएमसी तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष में कॉलेज कोड 862 का रिजल्ट फिलहाल रोका गया है। छात्र आज से विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ccsuniversity.ac.in पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

मंगलवार को सर छोटूराम इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं देहरादून में औद्योगिक भ्रमण पर गए। ● हिन्दुस्तान

कैंपस कॉर्नर

एमआईटी को एक्सीलेंस एजुकेशन अवार्ड

मेरठ। परतापुर बाइपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को एक्सीलेंस इन एजुकेशन पुरस्कार-2016 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में सीएसआर के चेयरमैन एसके सचदेवा ने कॉलेज के निदेशक डॉ.संजीव माहेश्वरी एवं डॉ.अजय सिंह को सौंपा। तकनीकी शिक्षा में उच्च गुणवत्ता के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। चेयरमैन विष्णु शरण अग्रवाल ने शिक्षकों को बधाई दी है।

13 सदस्यीय टीम जांचेगी कैंपस की खूबियां

मेरठ। चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस में नौ साल बाद होने जा रहे नैक निरीक्षण में दो मई को तैयारियों का फाइनल शो होगा। मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय ने प्रस्तावित निरीक्षण की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए। कैंपस में 23 मई को प्रो. इंद्रा वर्धन त्रिवेदी की अध्यक्षता में 13 सदस्यीय टीम पहुंचेगी। कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने दो मई को सभी एचओडी, वार्डन और अधिकारियों की बैठक बुलाई है। इसमें नैक की तैयारियों का फाइनल शो होगा। वहीं विश्वविद्यालय ने ए ग्रेडिंग के लिए कमर कस ली है। टीम को बेहतर प्रजेंटेशन देने के लिए कैंपस चार दिनों के लिए सजा रहेगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ पूरा कैंपस सांस्कृतिक रंगों में नहाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसार जो संसाधन एवं उपलब्धिया हैं, उसमें ए ग्रेडिंग के साथ अच्छे नंबर मिलना तय है। चूंकि यह निरीक्षण 2008 में हो जाना चाहिए था, लेकिन तब से यह लंबित चल रहा है। यूनिवर्सिटी में इससे पहले वर्ष 2002 में नैक निरीक्षण हुआ था। पांच साल के लिए होने वाले इस निरीक्षण की वैधता 2007 में खत्म हो गई। ऐसे में अब नौ साल बाद नैक टीम कैंपस पहुंच रही है।

भविष्य में और कड़ी होगी प्रतिस्पर्धा

मेरठ। भविष्य में प्रतिस्पर्धा और कड़ी होगी। हमें अपने अस्तित्व के लिए ज्यादा संघर्ष करना पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें। लक्ष्य को केंद्रित करके ही सफलता पाई जा सकती है। सीईआरटी में गोल सेटिंग, सॉफ्ट स्किल्स और जीडीपीआई पर हुई सेमिनार में कॉरपोरेट ट्रेनर भानुप्रताप सिंह ने उक्त बात कही। कहा कि बिना लक्ष्य सफलता पाना असंभव है। डॉ.एसके कॉम्बोज एवं डॉ.पुष्पेंद्र पंवार मौजूद रहे।

आईआईएमटी में अब गेट की पढ़ाई

गंगानगर। आईआईएमटी एवं टीआईएमई के साझा प्रयास के बाद कॉलेज में गेट की पढ़ाई हो सकेगी। मंगलवार को कॉलेज प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया कि टीआईएमई द्वारा प्रशिक्षित छात्र सर्वाधिक संख्या में गेट में सफलता प्राप्त कर सकते है। जिसके बाद छात्र सरकारी उपक्रम जिसमें आईआईटी, एनआईटी, आईआईएससी, आईआईआईटी जैसे कोर्स के लिए प्रवेश कर सकते है।

औद्योगिक भ्रमण पर गए सर छोटूराम के छात्र

मेरठ। सीसीएसयू कैंपस स्थित सर छोटूराम इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर साइंस, केमिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के भ्रमण पर पहुंचे।

केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र डाक पत्थर पावर हाउस विकास नगर देहरादून, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र टूल रूम ट्रेनिंग सेंटर दिल्ली, कंप्यूटर साइंस के छात्र बीएचईएल हरिद्वार जबकि आईटी के छात्र इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग देहरादून पहुंचे। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के छात्रों ने मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के छात्र इलेक्ट्रॉनिक्स सर्विस एंड क्लीनिंग सेंटर रामनगर में तकनीक के बारे में जाना।

कॉलेज में यह पहली बार है जब सभी ब्रांच के छात्रों को एकसाथ अलग-अलग इकाइयों में औद्योगिक भ्रमण के लिए भेजा गया है। भ्रमण में गौरव सिंह पुंडीर, प्रवीन पंवार, मिलिंद, डॉ.अर्चना त्रिवेदी, प्रत्यूष, अंकित सिसौदिया, सत्यम त्रिपाठी, कवि भूषण आदि रहे।

राष्ट्र गौरव के विवादित प्रश्न पत्र की जांच करेगी समिति

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीकॉम प्रथम वर्ष 009 में भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र गौरव के पेपर में पूछे गए अटपटे सवालों पर जांच बैठा दी है। समिति पेपर और सिलेबस की जांच करते हुए अपनी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के बाद ही पेपर पर फैसला होगा।

सहायक प्रेस प्रवक्ता डॉ.प्रशांत कुमार के अनुसार कुलपति प्रो.एनके तनेजा ने डीन की अध्यक्षता में समिति बनाते हुए पेपर के पैटर्न पर रिपोर्ट मांगी है। समिति पेपर के सिलेबस और पूछे गए सवालों की जांच करते हुए अपनी रिपोर्ट देगी। समिति की रिपोर्ट परीक्षा समिति में रखी जाएगी। इसी पर विश्वविद्यालय 009 कोड के पेपर पर फैसला करेगा।

पेपर में मुंबई सीरियल ब्लास्ट में याकूब मेमन पर सवाल पूछा गया था। साथ ही राधे मां और तीस्ता सीतलवाड़ पर सवाल थे। छात्रों ने पेपर को भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र गौरव के पैटर्न से उलट बताते हुए इसे निरस्त की मांग की थी।

'पैनिक बटन' जैसी सुविधा देते हैं ये फोन एप्लीकेशन

मेरठ | हिन्दुस्तान टीम

महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर केंद्र सरकार ने फोन में पैनिक बटन और जीपीएस अनिवार्य करने का फैसला लिया है। इस बटन से लैस स्मार्टफोन बाजार में अगले साल से मिलने शुरू हो जाएंगे मगर आप गूगल प्ले स्टोर पर मौजूद एप की मदद से पेनिक बटन जैसी सुविधा का फायदा उठा सकते हैं।

आईफॉलो- लेडिस सेफ्टी, एसओएस (iFollow - Ladies safety, SOS) : गूगल प्ले स्टोर पर मुफ्त में उपलब्ध इस एप को महिलाएं अपनी सुरक्षा के लिए डाउनलोड कर सकती हैं। अगर किसी अनजान जगह पर खतरा महसूस कर रहे हैं तो इस एप से फोन को अनलॉक किए बिना भी अपने जानने वाले लोगों को अलर्ट मैसेज भेज सकते हैं। फोन को तीन बार जोर से हिलाने पर यह अपने आप उन तीन लोगों के मैसेज भेज देगा जिनके नंबर आपने एप में सेव किए हैं। यह एप यूजर की लोकेशन भी मैसेज में भेजता है। मैसेज के साथ इसमें ऑटोमैटिक कॉल करने की सुविधा भी है। पहले एप को फोन में इंस्टॉल कर लें। इसके बाद तीन लोगों के फोन नंबर सेव करें जिन्हें इमरजेंसी में आप मैसेज भेजना चाहते हैं। डेवलपर के मुताबिक बैकग्राउंड में चलते हुए यह एप मोबाइल बैटरी को भी बचाता है।

बी सेफ (bSafe - Personal Safety App) : यह एप एक तरह से आपके स्मार्टफोन पर सिक्योरिटी नेटवर्किंग का काम करता है। एप पर आप अपने करीबी मित्रों एवं परिवार के सदस्यों का एक ऐसा ग्रुप तैयार कर सकते हैं जिनके लोकेशन की पल-पल की अपडेट आप जानना चाहते हों। किसी मुश्किल हालात में होने पर आप एप के गार्जियन अलर्ट बटन पर क्लिक करते ही ग्रुप सदस्य को अलर्ट चला जाएगा।

स्क्रीम अलार्म एप (Scream Alarm) : यह एप खतरे के समय में तेज आवाज में चीख पैदा करता है। इसकी आवाज एक महिला की आवाज होती है जो संभावित गलत इरादे वाले लोगों को दूर करने में मददगार बन सकती है। एक क्लिक करते ही यह एप चीखना शुरू कर देता है।

यह भी जानें हिन्दुस्तान

एप बताता है करीबी पुलिस स्टेशन

पुलिस नियरबाय (**Police Nearby**) एप फोन से जीपीएस लोकेशन देखकर आपके नजदीक मौजूद पुलिस स्टेशनों की लिस्ट फ्लैश करता है। यह चोरी,डकैती या ऐसी किसी भी दूसरी वारदातों के वक्त बेहद मददगार साबित होता है। बड़े शहरों में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच कम्यूनिकेशन बढ़ाने के लिए इस एप का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।